

राग- केदार

थाट – कल्याण

स्वर – मं तीव्र बाकी स्वर शुद्ध

वर्ज स्वर – आरोहात रे ग अवरोहत ग

जाती – ओडव षाडव

वादी स्वर – म

संवादी स्वर – सा

गायनसमय – रात्रिचा पहिला प्रहर

समप्रकृतीक राग – कामोद

आरोह – सा म ग प मं प ध नि सां

अवरोह – सां नि ध प मं प ध प म रे सा

पकड –सा म ग प ऽ मं प ध प ऽ म ऽ सा रे सा

राग विस्तार

सारेसासा म ऽ म ऽ ग प ऽ मं प ध प म ऽ सा रे सा

सारेसासा म ऽ म ग ऽ प ऽ मंपधनिसां ऽ सां नि ध प ऽ मं प ध प म ऽ सा
रे सा